

प्रेस विज्ञप्ति

के0जी0एम0यू0 के इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साइंसेस ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया

आज दिनांक 10 अक्टूबर 2018 को किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साइंसेस द्वारा “द्वितीय स्तत पैरामेडिकल प्रशिक्षण”(2ndContinuing Para-Medical Education) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। के0जी0एम0यू0 के कलाम सेंटर में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन चिकित्सा विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रोफेसर एम0एल0बी0भट्ट द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस पैरामेडिकल प्रशिक्षण कार्यक्रम का विषय **“चिकित्साकर्मियों के लिए कार्यस्थल पर सुरक्षा” (Workplace safety For Health Care Professionals)** था। इस अवसर पर **चिकित्साकर्मियों के लिए कार्यस्थल सुरक्षा** विषय पर आधारित एक पुस्तिका का विमोचन भी किया गया। यह पुस्तक हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में है।

इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित मा0 कुलपति ने कहा कि ज्ञान ही विश्व की सबसे बड़ी शक्ति है। ज्ञान के आधार पर ही कौशल विकास चिकित्साकर्मियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है। इस दौरान उन्होंने यह भी सलाह दी कि भविष्य में ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन में अन्य पैरामेडिकल संस्थाओं के भी प्रतिभागियों को इसमें भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, जिससे अधिक से अधिक जनमानस को इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का लाभ मिल सके।

मा0 कुलपति ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं से अनुशासित रहने की अपील करते हुए कहा कि इंटरनेट का प्रयोग अपना ज्ञान बढ़ाने के लिए करना चाहिए।

इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक एवं अधिष्ठाता पैरामेडिकल डॉ0विनोद जैन ने बताया कि इस प्रकार की स्तत पैरामेडिकल प्रशिक्षण कार्यक्रम अपने आप में अनूठा है क्योंकि इसमें छात्र-छात्राओं द्वारा ही विषय विशेष पर अपना प्रस्तुतिकरण तैयार किया गया है तथा इसका मूल्यांकन भी इन्हीं के द्वारा किया जाएगा।

डॉ0 विनोद जैन ने बताया कि इस विधि से कार्यक्रम का आयोजन करने से छात्र-छात्राओं में विषय को पढ़ने एवं आचरण करने में रुचि जागृत होगी। उन्होंने बताया कि शिक्षण कार्यक्रम के आरम्भ में प्री-टेस्ट के माध्यम से उनके ज्ञान का स्तर पता किया गया तथा कार्यक्रम के बाद उन्हीं सवालों का पोस्ट टेस्ट के द्वारा यह मूल्यांकन किया गया कि छात्र-छात्राओं को कितना लाभ पहुंचा, जिसका विश्लेषण करने करने पर यह जानकारी मिली कि लगभग 90 प्रतिशत छात्र-छात्राओं ने पोस्ट टेस्ट में प्री-टेस्ट के मुकाबले ज्यादा नंबर हासिल किए।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर जी0पी0सिंह ने बताया कि रोगियों के उपचार के लिए चिकित्सक, नर्स एवं पैरामेडिक इन तीनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इन तीनों पर रोगी की सुरक्षा की भी जिम्मेदारी होती है, परन्तु इन्हें अपनी सुरक्षा के प्रति भी जागरूक होना पड़ेगा। इसके लिए इस सुरक्षा का ज्ञान आवश्यक है।

इस अवसर पर अधिष्ठाता नर्सिंग प्रोफेसर मधुमति गोयल ने कहा कि छोटी-छोटी सुरक्षा विधियां बड़े परिणाम देती हैं। जैसे कि दस्ताने पहन कर मरीजों की सेवा करना, अपने हाथों को साफ रखना एवं सीरीज आदि का सही ढंग से इस्तेमाल करना। इसके साथ ही उन्होंने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि सभी चिकित्साकर्मियों को मरीजों के प्रति मधुर व्यवहार रखना चाहिए।

डिप्टी रजिस्ट्रार डॉ० अनित परिहार ने अपने संबोधन में बताया कि चिकित्साकर्मियों द्वारा अनुशासित रहने व निर्धारित नियमों का पालन करने से न केवल रोगियों की सुरक्षा होगी बल्कि वह स्वयं भी सुरक्षित रहेंगे।

इस अवसर पर चिकित्सलय प्रशासन के प्रो० नीतिन भारद्वाज ने चिकित्साकर्मियों से सुरक्षा संबंधी गाइड लाइंस को तैयार करने एवं उसके पालन पर जोर देते हुए कहा कि यह आज के समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

इस कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन डिप्टी रजिस्ट्रार डॉ० अनित परिहार एवं कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ० अंकिता जौहरी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में ट्रांसफयूजन मेडिसिन की विभागाध्यक्ष डॉ० तुलिका चंद्रा, नेत्र रोग विभाग के प्रोफेसर एस०के० भास्कर एवं पैरामेडिकल विभाग के समस्त शिक्षक उपस्थित रहे।